उत्तराखण्ड
पर्यटन

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद
निकट- ओ0एन0जी0सी0 हैलीपैड
गढीकैन्ट, देहरादून- 248001
दूरभाष 2559898-0135 -फैक्स2559988 -

प्रेस नोट

उत्तराखण्ड की विश्व प्रसिद्ध चार धाम यात्रा के आरम्भ होने के ठीक पहले उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा नेहरू पर्वतारोहण संस्था, उत्तराखण्ड अंतरिक्ष केन्द्र तथा वन विभाग के सहयोग से चारधाम पैदल यात्रा मार्ग को पुनजीर्वित करने के उद्देश्य से भेजा गया 11 सदस्यीय दल गंगोत्री पहुँचा, जहां आयुक्त गढ़वाल वी0वी0आर0सी0 पुरूषोतम, संयुक्त निदेशक पर्यटन वी0एस0चौहान तथा नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रधानाचार्य कर्नल बिष्ट द्वारा सर्वेक्षण दल को केदारनाथ तथा बद्रीनाथ की पैदल यात्रा के लिए रवाना किया गया।

सर्वेक्षण का उद्देश्य प्राचीन पैदल यात्रा मार्ग के स्थानीय प्रमुख पड़ावों/चट्टियों को पुनर्जीवित करते हुये स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। सर्वेक्षण दल द्वारा पैदल मार्ग की जैव विविधता संपदा एवं संस्कृति का अभिलेखीकरण भी किया जा रहा है। इस क्रम में सर्वेक्षण दल द्वारा यमनोत्री तथा गंगोत्री के पैदल मार्ग में पड़ने वाले प्राकृतिक सौन्दर्य तथा वन्य जीवन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों को चिन्हित किया गया है। इसके अतिरिक्त मार्ग में पड़ने वाले पड़ावों, चट्टियों तथा गांवों की भी पहचान की गयी है। साथ ही सीमा तथा दरवा क्षेत्र में दल ने होम स्टे योजना के विकास की सम्भावना भी तलाशी है।

इस दल को उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा लगभग एक माह के सर्वेक्षण पर भेजा गया है। दिनांक 28 अप्रैल 2019 को सर्वेक्षण पर निकला यह दल 30 मई को वापस लौटेगा। यात्रा को पैदल मार्ग पर प्रचलित किये जाने के लिए आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करते हुये भविष्य में प्रचार–प्रसार की कार्यवाही भी की जायेगी।

देहरादून से स्याना चट्टी होते हुये यह दल पैदल मार्ग से यमुनोत्री पहुंचा और वहां से जानकी चट्टी सीमा, दरवा पास, डोडीताल, संगमचट्टी होते हुये दल गंगोत्री पहुंचा। यहाँ से दल लाटा, बेलक, बूढ़ाकेदार, भैरों चट्टी, घुत्तू, पंवाली कांठा, त्रिजुगीनारायण और गौरीकुंड होते हुये केदारनाथ पहुंचेगा। जहां से श्वेत पर्वत, कलऊं ,मंदानिया, द्वाराखाल, मार्कन्ड गंगा, काश्नी खर्क, ग्लेशियर कैम्प होते नीलकंठ बेस से दल 29 मई को बद्रीनाथ पहुंचेगा।

(कमल किशोर जोशी)
जनसम्पर्क अधिकारी
उत्तराखण्ड पर्यटन